nt>

Title: Need for a fuel policy in the country-Laid.

श्री नवल किशोर राय (सीतामढ़ी): सभापति जी , कोयला, बिजली, पैट्रोलियम के क्षेत्र सरकार के अधिकार में चलाये जा रहे हैं। सरकारी क्षेत्र में लाने का उद्देश्य था कि मजदूर का पसीना और प्रशासन की ताकत मिल कर इन क्षेत्रों में अदभुत प्रगति करेंगे पर आज इनकी प्रगति देश के लिए असहनीय हो गयी है। अरबों, करोडों की पूंजी निवेश के बावजूद इन क्षेत्रों में घाटा होता है और इस घाटे को पूरा करने के लिए उत्पादों की कीमतें बढ़ा दी जाती हैं। इनकी लगातार बेरोक कीमतें बढ़ने से देश का यातायात मंहगा होता जा रहा है जिसका कुप्रभाव खेती और उद्योग दोनों पर पड़ा है। दोनों क्षेत्र के उत्पाद आज अंतर्राट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा से बाहर होते जा रहे हैं।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि इन क्षेत्रों में व्यापक ढांचागत सुधार के लिए कदम उठायें। इनके कामकाज में पारदर्शिता व तत्परता लाया जाये तथा एक ईंधन नीति बनायें जिसके तहत ये तीनों क्षेत्र कार्य करें और देश में एक सीमा से अधिक मूल्य न बढ़ें।